मुक्तस्वाध्यायपीठम्
(Institute of Distance Education)
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
56–57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली–110058

पत्रांक सं. – के.सं.वि./मु.स्वा.पी./प्रकाशन/101–12/2022–2023/ **दिनांक : 27–05–2022**

निविदा के नियम एवं शर्तें

01. इच्छुक मुद्रक / प्रकाशक, 03 वर्षों के अनुभव के साथ न्यूनतम 03 (तीन) वर्षों का टर्न ओवर 40,00,000/– (रु. चालीस लाख मात्र) का प्रमाणित दस्तावेज के साथ निर्धारित रूप में मुहरबंद निविदा **निदेशक, मुक्तस्वाध्यायपीठम् (Institute of Distance Education), केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, 56–57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली–110058** के नाम अधिकतम 17/06/2022, अपराह्ण 2.00 बजे तक पंजीकृत डाक या व्यक्तिगत रूप से निविदा बॉक्स में जमा कर सकते हैं।

02. निविदा वर्ष, 2022 को तीन लिफाफा पद्धति से प्रस्तुत किया जाना है :–

(क) लिफाफा – 'A' (निविदा प्रपत्र की राशि)

(ख) लिफाफा – 'B' (तकनीकी विवरण)

(ग) लिफाफा – 'C' (वित्तीय विवरण)

03. प्रत्येक लिफाफे के उपर स्पष्टतः लिफाफा – 'A' / लिफाफा – 'B' / लिफाफा – 'C' अंकित करें।

04. निविदाकर्ता आयकर स्थायी खाता क्रमांक (PAN) एवं GST Registration की छायाप्रति लिफाफा – 'B' में संलग्न करें।

05. निविदा प्रपत्र एवं संलग्न समस्त प्रपत्रों के प्रत्येक पृष्ठ पर निविदाकर्ता फर्म की मुहर लगाकर हस्ताक्षर करें। किसी भी प्रपत्र पर फर्म की मुहर एवं हस्ताक्षर न होने पर उसे मान्य नहीं किया जायेगा।

06. निविदा प्रपत्र शुल्क की राशि रु. 1,000/– (रूपये एक हजार मात्र) का डिमाण्ड ड्राफ्ट जो **निदेशक, मुक्तस्वाध्यायपीठम्, नई दिल्ली** के पक्ष में देय होगा, को कृपया लिफाफा – 'A' में संलग्न करें। निविदा प्रपत्र का मूल्य रु. 1,000/– (रूपये. एक हजार मात्र) वापसी योग्य नहीं है।

07. कृपया निविदा दरें (GST सहित) लिफाफा – 'C' में संलग्न करें। उक्त दरों में किसी प्रकार का अतिरिक्त टैक्स या शर्तों का पृथक् उल्लेख न किया जाए।

08. सफल निविदाकारों को कार्यादेश की राशि का नियमानुसार 3% गारंटी राशि के रूप में डिमाण्ड ड्राफ्ट **निदेशक, मुक्तस्वाध्यायपीठम्, नई दिल्ली** के पक्ष में देय है या अकाउण्ट पेई चैक देना होगा। उक्त राशि कार्यादेश के समाप्ति पश्चात् (छः माह की अवधि तक मान्य हो) वापस कर दी जाएगी।

09. निविदा केवल निर्धारित प्रपत्र में ही स्वीकार की जाएगी।

10. अन्तिम तिथि 17/06/2022, अपराह्ण 2.00 बजे के पश्चात् निविदा स्वीकार नहीं की जाएगी।

11. स्वाध्यायसामग्रियों के मुद्रण हेतु कागज :– कवर पेज : 210 (GSM) एवं अन्दर के कागज : 70 (GSM) Sunshine बल्लारपुर का उपयोग करना अनिवार्य है तथा निविदा के साथ उक्त कागज का स्वहस्ताक्षरित नमूना भी संलग्न करें।

12. उपर्युक्तानुसार स्वाध्यायसामग्री के मुद्रण हेतु अपेक्षित कागज का प्रकार, गुणवत्ता एवं उपलब्धता हेतु मुद्रक/प्रकाशक स्वयं जिम्मेदार होंगे।

13. मुक्तस्वाध्यायपीठम् (Institute of Distance Education) के द्वारा मुद्रण हेतु स्वाध्यायसामग्रियों की सॉफ्ट कॉपी (पी.डी.एफ.) उपलब्ध करवायी जाएगी।

14. कवर डिजाइनिंग आवश्यकतानुसार मुद्रक द्वारा की जाएगी।

15. निविदा के साथ पेपर का नमूना कृपया लिफाफा – 'B' में संलग्न करें।

16. स्वाध्यायसामग्री परफेक्ट एवं पिन बाइन्डिग के साथ खण्डानुसार सेट बनाकर सरकार द्वारा निर्धारित प्रदूषण रहित पारदर्शी थैली में पैक करके आपूर्ति करनी होगी, जिसका वहन मुद्रक द्वारा स्वयं किया जाएगा।

17. स्वाध्यायसामग्री का विवरण (www.sanskrit.nic.in/msp/) पर उपलब्ध है।

18. कार्यादेश के 40 दिनों के अन्दर स्वाध्यायसामग्री का मुद्रण कार्य पूर्ण करना होगा।

19. मुद्रित सामग्री मुक्तस्वाध्यायपीठम् (Institute of Distance Education), केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के भण्डार में पहुँचाने का खर्च निविदाकार को स्वयं वहन करना होगा।

20. मार्ग में हुई किसी भी दुर्घटना, हानि, चोरी, आगजनी या प्राकृतिक, आकस्मिक आपदा के कारण हुई क्षति के लिये मुक्तस्वाध्यायपीठम् (Institute of Distance Education), केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली उत्तरदायी नहीं होगा।

21. किसी भी प्रकार के विवाद की स्थिति में **मुक्तस्वाध्यायपीठम् (Institute of Distance Education), केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली** का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा।

22. निविदा खोलने इत्यादि की तिथि एवं समय के सम्बन्ध में किसी भी परिवर्तन की सूचना (www.sanskrit.nic.in/msp/) पर या ई–मेल के माध्यम से प्रदान की जायेगी। इस समय निविदाकार अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधि स्वेच्छा से उपस्थित रह सकते हैं।

23. उपर्युक्तानुसार मुद्रित स्वाध्यायसामग्रियों के प्राप्ति पश्चात् मुद्रण कार्य संतोषजनक पाए जाने पर बिल का भुगतान राशि पर नियमानुसार टैक्स (कर) की कटौती कर अपेक्षित धनराशि का भुगतान किया जाएगा।

24. कार्य संतोषजनक पाए जाने पर तत्कालिक निविदा समिति की अनुशंसा एवं सक्षम अधिकारी की स्वीकृति पर कार्य आदेश की समय सीमा बढ़ायी जा सकती है।

25. स्वाध्यायसामग्रियों के विवरण निम्नलिखित है :–

(i) स्वाध्यायसामग्री की ग्रन्थ नाम के अनुसार प्रत्येक खण्ड के 100 प्रतियॉ मुद्रण :–

क्र.सं.	कार्यक्रम	ग्रन्थ नाम	खण्ड	पृष्ठ
1.	**पालि, प्राकृत व संस्कृत पत्रकारिता प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम**	पालि प्रारम्भिक पाठ्यक्रम	01	108+04=112 x 100 = **11,200 पृ.**
2.		प्राकृत प्रारम्भिक पाठ्यक्रम	01	92+04=96 x 100 = **9,600 पृ.**
3.		पालि प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम	01	148+04=152 x 100 =**15,200 पृ.**
			02	76+04=80 x 100 = **8,000 पृ.**
4.		प्राकृत प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम	01	124+04=128 x 100 =**12,800 पृ.**
			02	104+04=108 x 100 =**10,800 पृ.**
5.		संस्कृत पत्रकारिता प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम	01	78+04=82 x 100 = **8,200 पृ.**
			02	71+04=75 x 100 = **7,500 पृ.**
			कुल	**83,300 पृष्ठ**
6.	**आचार्य, प्रथम वर्ष, व्याकरणम्**	लघुशब्देन्दुशेखरः (पञ्चसन्ध्यन्तो भागः)	01	144+04=148 x 100=**14,800 पृ.**
			02	114+04=118 x 100=**11,800 पृ.**

			03	88+04=92x 100=**9,200 पृ.**
			04	122+04=126x 100=**12,600 पृ.**
			05	157+04=161x 100=**16,100 पृ.**
			06	87+04=91x 100=**9,100 पृ.**
			07	97+04=101x 100=**10,100 पृ.**
			कुल	**83,700 पृष्ठ**
7.	**आचार्य, प्रथम वर्ष, व्याकरणम्**	महाभाष्यम् (प्रथमाध्यायस्य प्रथम पादे 5 तः 9 आह्निकं यावत्)	01	154+04=158x 100=**15,800 पृ.**
			02	160+04=164x 100=**16,400 पृ.**
			03	132+04=136x 100=**13,600 पृ.**
			04	136+04=140x 100=**14,000 पृ.**
			05	167+04=171x 100=**17,100 पृ.**
			कुल	**76,900 पृष्ठ**
8.	**आचार्य, प्रथम वर्ष, व्याकरणम्**	परिभाषेन्दुशेखरः	01	66+04=70x 100=**7,000 पृ.**
			02	80+04=84x 100=**8,400 पृ.**
			03	64+04=68x 100=**6,800 पृ.**
			04	90+04=94x 100=**9,400 पृ.**
			05	120+04=124x 100=**12,400 पृ.**
			06	96+04=100x 100=**10,000 पृ.**
			07	88+04=92x 100=**9,200 पृ.**
			कुल	**63,200 पृष्ठ**
9.	**आचार्य, प्रथम वर्ष, व्याकरणम्**	वैयाकरणभूषणसारः	01	122+04=126 x 100=**12,600 पृ.**
			02	127+04=131 x 100=**13,100 पृ.**
			03	82+04=86 x 100=**8,600 पृ.**
			04	64+04=68 x 100=**6,800 पृ.**
			05	78+04=82 x 100=**8,200 पृ.**
			06	87+04=91 x 100=**9,100 पृ.**
			कुल	**58,400 पृष्ठ**
			कुल योग	**3,65,500 पृष्ठ**

(ii) स्वाध्यायसामग्री की ग्रन्थ नाम के अनुसार प्रत्येक खण्ड के 300 प्रतियॉ मुद्रण :–

क्र.सं.	कार्यक्रम	ग्रन्थ नाम	खण्ड	पृष्ठ
10.	**आचार्यसेतुः, फलितज्यौतिषम्**	मुहूर्त्तचिन्तामणिः (शुभाशुभप्रकरणम्)	01	62+04=66 x 300=**19,800 पृ.**
			02	72+04=76 x 300=**22,800 पृ.**
			03	51+04=55 x 300=**16,500 पृ.**

			04	54+04=58 x 300=**17,400 पृ.**
			कुल	**76,500 पृष्ठ**
11.	**आचार्यसेतुः, फलितज्यौतिषम्**	मुहूर्त्तचिन्तामणिः (नक्षत्रप्रकरणम्)	01	48+04=52 x 300=**15,600 पृ.**
			02	70+04=74 x 300=**22,200 पृ.**
			03	76+04=80 x 300=**24,000 पृ.**
			04	56+04=60 x 300=**18,000 पृ.**
			कुल	**79,800 पृष्ठ**
12.	**आचार्यसेतुः, फलितज्यौतिषम्**	मुहूर्त्तचिन्तामणिः (वास्तुप्रकरणम्)	01	78+04=82 x 300=**24,600 पृ.**
			02	82+04=86 x 300=**25,800 पृ.**
			03	80+04=84 x 300=**25,200 पृ.**
			04	84+04=88 x 300=**26,400 पृ.**
			कुल	**1,02,000 पृष्ठ**
13.	**आचार्यसेतुः, फलितज्यौतिषम्**	प्रश्नभूषणम्	01	110+04=114 x 300=**34,200 पृ.**
			02	58+04=62 x 300=**18,600 पृ.**
			03	59+04=63 x 300=**18,900 पृ.**
			04	49+04=53 x 300=**15,900 पृ.**
			कुल	**87,600 पृष्ठ**
14.	**आचार्यसेतुः, फलितज्यौतिषम्**	बृहत्संहिता (ग्रहचारप्रकरणम्)	01	92+04=96 x 300=**28,800 पृ.**
			02	126+04=130 x 300=**39,000 पृ.**
			03	108+04=112 x 300=**33,600 पृ.**
			कुल	**1,01,400 पृष्ठ**
15.	**आचार्यसेतुः, फलितज्यौतिषम्**	ज्यौतिषशास्त्रपरिचयः	01	96+04=100 x 300=**30,000 पृ.**
			02	82+04=86 x 300=**25,800 पृ.**
			कुल	**55,800 पृष्ठ**
16.	**शास्त्री सेतु, साहित्यम्**	स्वप्नवासवदत्तं श्रुतबोधश्च	01	81+04=85x 300=**25,500 पृ.**
			02	70+04=74x 300=**22,200 पृ.**
			03	78+04=82x 300=**24,600 पृ.**
			04	94+04=98x 300=**29,400 पृ.**
			05	89+04=93x 300=**27,900 पृ.**
			कुल	**1,29,600 पृ.**
17.	**शास्त्री, द्वितीय वर्ष**	अभिज्ञानशाकुन्तलम्	01	136+04=140 x 300=**42,000 पृ.**
			02	62+04=66 x 300=**19,800 पृ.**
			03	66+04=70x 300=**21,000 पृ.**
			04	114+04=118x 300=**35,400 पृ.**

			05	93+04=97x 300=**29,100 पृ.**
			कुल	**1,47,300 पृष्ठ**
18.	**शास्त्री, द्वितीय वर्ष**	लौकिकसंस्कृतसाहित्येतिहासः	01	78+04=82x 300=**24,600 पृ.**
			02	70+04=74x 300=**22,200 पृ.**
			कुल	**46,800 पृष्ठ**
19.	**आचार्यसेतुः, साहित्यम्**	साहित्यदर्पणे-प्रथम-दशमपरिच्छेदौ	01	76+04=80x 300=**24,000 पृ.**
			02	70+04=74x 300=**22,200 पृ.**
			03	134+04=138x 300=**41,400 पृ.**
			04	120+04=124x 300=**37,200 पृ.**
			05	96+04=100x 300=**30,000 पृ.**
			कुल	**1,54,800 पृष्ठ**
20.	**आचार्यसेतुः, साहित्यम्**	अलङ्कारशास्त्रपरिचयः	01	86+04=90x 300=**27,000 पृ.**
			02	80+04=84x 300=**25,200 पृ.**
			03	78+04=82x 300=**24,600 पृ.**
			कुल	**76,800 पृष्ठ**
21.	**आचार्यसेतुः, साहित्यम्**	मेघदूतम् (सम्पूर्णम्)	01	135+04=139x 300=**41,700 पृ.**
			02	142+04=146x 300=**43,800 पृ.**
			कुल	**85,500 पृष्ठ**
22.	**आचार्यसेतुः, साहित्यम्**	नैषधीयचरितम् (प्रथमसर्गः)	01	146+04=150x 300=**45,000 पृ.**
			02	117+04=121x 300=**36,300 पृ.**
			03	82+04=86x 300=**25,800 पृ**
			कुल	**1,07,100 पृष्ठ**
23.	**आचार्यसेतुः, साहित्यम्**	कादम्बरी (शुकनासोपदेशान्ता)	01	88+04=92x 300=**27,600 पृ.**
			02	88+04=92x 300=**27,600 पृ.**
			03	90+04=94x 300=**28,200 पृ.**
			04	88+04=92x 300=**27,600 पृ.**
			05	50+04=54x 300=**16,200 पृ.**
			06	79+04=83x 300=**24,900 पृ.**
			07	28+04=32x 300=**9,600 पृ.**
			कुल	**1,61,700 पृष्ठ**
24.	**आचार्यसेतुः, साहित्यम्**	उत्तररामचरितम्	01	138+04=142x 300=**42,600 पृ.**
			02	68+04=72x 300=**21,600 पृ.**
			03	135+04=139x 300=**41,700 पृ.**

			04	127+04=131x 300=**39,300 पृ.**
			05	137+04=141x 300=**42,300 पृ.**
			कुल	**1,87,500 पृष्ठ**
25.	**शास्त्री, तृतीय वर्ष, व्याकरणम्**	वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (कृत्यप्रक्रियात: साधारणस्वरप्रकरणान्तो भाग:)	01	142+04=146x 300=**43800**
			02	118+04=122x 300=**36600**
			03	94+04=98x 300=**29400**
			04	144+04=148x 300=**44400**
			05	132+04=136x 300=**40800**
			06	122+04=126x 300=**37800**
			कुल	**2,32,800**
26.	**शास्त्री, तृतीय वर्ष, साहित्यम्**	उत्तररामचरितम्	01	138+04=142x 300=**42600**
			02	68+04=72x 300=**21600**
			03	135+04=139x 300=**41700**
			04	127+04=131x 300=**39300**
			05	137+04=141x 300=**42300**
			कुल	**1,87,500**
27.	**आचार्य, द्वितीय वर्ष, साहित्यम्**	रसगङ्गाधर: (प्रथमाननम्)	01	97+04=101x 300=30300
			02	96+04=100x 300=30000
			03	60+04=64x 300=19200
			04	62+04=66x 300=19800
			05	103+04=107x 300= 32100
			06	86+04=70x 300=21000
			कुल	**1,52,400**
28.	**आचार्य, द्वितीय वर्ष, साहित्यम्**	काव्यप्रकाश: (7-10 उल्लास:)	01	122+04=142x 300=**42600**
			02	135+04=72x 300=**21600**
			03	129+04=139x 300=**41700**
			04	116+04=131x 300=**39300**
			05	172+04=141x 300=**42300**
			कुल	**1,87,500**
29.	**आचार्य, द्वितीय वर्ष, साहित्यम्**	रसगङ्गाधर: (द्वितीयानने आदित: लक्षणापर्यन्तभाग:)	01	68+04=72x 300=21600
			02	88+04=92x 300=27600
			03	51+04=55x 300=16500
			04	101+04=105x 300= 31500
			कुल	**97,200**
30.	**आचार्य, द्वितीय**	अभिधावृत्तमातृका	01	68+04=72x 300=21600

	वर्ष, साहित्यम्		02	102+04=106x 300=31800
			कुल	**53,400**
31.	**आचार्य, द्वितीय वर्ष, साहित्यम्**	वक्रोक्तिजीवितम् (प्रथमोन्मेषः)	01	154+04=158x 300=47400
			02	134+04=138x 300=41400
			कुल	**88,800**
32.	**आचार्य, द्वितीय वर्ष, व्याकरणम्**	लघुशब्देन्दुशेखरः (स्त्रीप्रत्ययादारभ्य अव्ययीभावान्तो भागः)	01	112+04=116x 300=**34800**
			02	64+04=68x 300=**20400**
			03	98+04=102x 300=**30600**
			04	94+04=98x 300=**29400**
			05	102+04=106x 300=**31800**
			06	74+04=78x 300=**23400**
			कुल	**1,70,400 पृष्ठ**
			कुल योग	**27,70,200 पृष्ठ**

(iii) स्वाध्यायसामग्री की ग्रन्थ नाम के अनुसार प्रत्येक खण्ड के 500 प्रतियॉ मुद्रण :–

क्र.सं.	कार्यक्रम	ग्रन्थ नाम	खण्ड	पृष्ठ
33.	**शास्त्रीसेतुः**	सन्धि-समास-कारकाणि – 60 अङ्काः	01	58+04=62 x 500=**31,000 पृ.**
			02	48+04=52 x 500=**26,000 पृ.**
			03	104+04=108 x 500=**54,000 पृ.**
			कुल	**1,11,000 पृष्ठ**
34.	**शास्त्रीसेतुः, व्याकरणम्**	लघुसिद्धान्तकौमुदी (आदितः भ्वादिपर्यन्ता)	01	60+04=64 x 500=**32,000 पृ.**
			02	110+04=114 x 500=**57,000 पृ.**
			03	104+04=108 x 500=**54,000 पृ.**
			04	198+04=202 x 500=**1,01,000 पृ.**
			05	192+04=196 x 500=**98,000 पृ.**
			06	292+04=296 x 500=**1,48,000 पृ.**
			कुल	**4,90,000 पृष्ठ**
35	**आचार्यसेतुः, व्याकरणम्**	कारकप्रकरणम् (सिद्धान्तकौमुदीतः)	01	54+04=58 x 500=**29,000 पृ.**
			02	78+04=82 x 500=**41,000 पृ.**
			कुल	**70,000 पृष्ठ**
36.	**आचार्यसेतुः, व्याकरणम्**	समासप्रकरणम् (लघुसिद्धान्तकौमुदीतः)	01	156+04=160 x 500=**80,000 पृ.**
			कुल	**80,000 पृष्ठ**

37.	**आचार्यसेतुः, व्याकरणम्**	(क) अष्टाध्यायी (1-3 अध्यायाः) – 50 अङ्काः	01	136+04=140 x 500=**70,000 पृ.**
			कुल	**70,000 पृष्ठ**
38.	**आचार्यसेतुः, व्याकरणम्**	(ख) महाभाष्यम् (पस्पशाह्निकम्) – 50 अङ्काः	01	74+04=78 x 500=**39,000 पृ.**
			02	62+04=66 x 500=**33,000 पृ.**
			कुल	**72,000 पृष्ठ**
39.	**आचार्यसेतुः, व्याकरणम्**	अष्टाध्यायीप्रक्रियाविज्ञानम्	01	132+04=136 x 500=**68,000 पृ.**
			02	172+04=176 x 500=**88,000 पृ.**
			03	131+04=135 x 500=**67,500 पृ.**
			04	104+04=108 x 500=**54,000 पृ.**
			कुल	**2,77,500 पृष्ठ**
40.	**आचार्यसेतुः, व्याकरणम्**	वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (दशगणेभ्यः प्रतिप्रकरणं प्रारम्भतः धातुद्वयम्)	01	237+04=241 x 500=**1,20,500 पृ.**
			02	294+04=298 x 500=**1,49,000 पृ.**
			03	326+04=330 x 500=**1,65,000 पृ.**
			कुल	**4,34,500 पृष्ठ**
41.	**आचार्यसेतुः, व्याकरणम्**	वैयाकरणभूषणसारः (धात्वर्थप्रकरणम्) – 50 अङ्काः	01	120+04=124 x 500=**62,000 पृ.**
			कुल	**62,000 पृष्ठ**
			कुल योग	**16,67,000 पृष्ठ**
कुल महायोग = 3,65,500 पृष्ठ + 27,70,200 पृष्ठ + 16,67,000 पृष्ठ = 48,02,700 पृष्ठ				

26. सफल निविदाधारकों को कार्यादेश के उपरान्त उनकी सेवाओं में लापरवाही या कार्य संतोषजनक न पाये जाने पर सम्बनिधत फर्म का कार्यादेश अवधि से पूर्व ही समाप्त करने का अधिकार **मुक्तस्वाध्यायपीठम् (Institute of Distance Education), केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली** का होगा एवं ऐसी स्थिति में धरोहर/गारण्टी राशि वापस नहीं की जाएगी।

27. किसी प्रकार के वाद–विवाद के लिए भारतीय कानून के साथ न्यायायिक क्षेत्र, दिल्ली होगा।

28. निविदाकर्ता निविदा की समस्त शर्तों का पालन करने के लिये बाध्य एवं उत्तरदायी होगा।

29. उपर्युक्त स्वाध्यायसामग्री के अतिरिक्त निदेशक, **मुक्तस्वाध्यायपीठम् (Institute of Distance Education), केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली** के अनुमति से अन्य प्रकाशनीय सामग्री भी जोड़े जा सकते हैं।

30. निविदा स्वीकृत/अस्वीकृत करने के सन्दर्भ में **कुलपति, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली–58** का निर्णय अंतिम होगा।

–निदेशक